आज का सुविचार
सपने देखना एक आम बात है, वो जो व्यक्ति सपने देखता है, वो ही भविष्य में सफलता प्राप्त करता है।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है.. संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 65 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 2 मई 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

BNS- 220, अवैध तरीके से नीलामी में बोली लगाना या खरीदना कब दण्डनीय अपराध होता है जानिए -

सरकार द्वारा किसी संपत्ति को विक्रय किया जाता है तो उसकी बिक्री सार्वजनिक की जाती है जिसे कानूनी भाषा में नीलामी कहते है। नीलामी किसी भी चल या अचल संपत्ति की हो सकती है जैसे कि सरकारी दुकानों की, लीज पर भूमि की या कोई भी संसाधनो की। लेकिन जो व्यक्ति इन संपत्तियों को खरीदेगा उस व्यक्ति को शासन की शर्तों का पालन करना होता है जैसे की खरीदने वाला कोई व्यक्ति शासकीय सेवक न हो , किसी अपराध का दोषी न हो, किसी प्रकार का आपराधिक मामला दर्ज न हो इत्यादि। अगर कोई व्यक्ति शासन की शर्तों का उल्लंघन करके अवैध तरीके से नीलामी में भाग ले लेता है तब उसके खिलाफ क्या कानूनी कार्यवाही हो सकती है जानिए-

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 220 की परिभाषा

जो कोई व्यक्ति विधिक रूप से लोक सेवक द्वारा की जा रही नीलामी में अवैध रूप से बोली लगाएगा या भाग लेगा या अवैध तरीके से नीलामी की किसी संपत्ति को खरीदेगा तब उस व्यक्ति के खिलाफ BNS की धारा 220 के अंतर्गत मामला दर्ज होगा।

Bharatiya Nyaya Sanhita,2023 Section 220 Provision of punishment यह अपराध,असंज्ञेय एवं जमानतीय होते हैं अर्थात पुलिस थाने में इस अपराध के खिलाफ डारेक्ट एफआईआर दर्ज नहीं होगी लेकिन पुलिस थाने से एनसीआर लिखी जा सकती है एवं इस अपराध के लिए कोई भी न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष परिवाद (शिकायत) भी दर्ज करवा सकते हैं , इस अपराध की सुनवाई कोई भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जाती है एवं यह अपराध समझोता योग्य नहीं होते हैं।

सजा - इस अपराध के लिए एक माह की कारावास या दो सौ रुपये जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

लेखक बीआर अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

राज्यों का स्थापना दिवस नए भारत के निर्माण की प्रतिबद्धता का प्रसंग : राज्यपाल श्री पटेल

विविधतापूर्ण, सांस्कृतिक, पौराणिक चेतना के केन्द्र हमारे राज्य

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि राज्यों का स्थापना दिवस नए भारत के निर्माण की प्रतिबद्धता का प्रसंग है। समारोह, राज्य के विकास, खुशहाली के लिए सबके विश्वास, साथ और प्रयासों से नव निर्माण का संकल्प है। उन्होंने कहा कि अखंड भारत के सभी राज्य भारत माता के वह सपूत है, जिन्होंने अपनी धरोहर, संस्कृति और परंपराओं के सम्मान के साथ राष्ट्र के गौरव को बढ़ाया है। समय की जरूरत है कि हमारी गौरवशाली आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने में प्रत्येक नागरिक योगदान का संकल्प लें और एक भारत को श्रेष्ठ, भारत बनाए। राज्यपाल श्री पटेल राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित महाराष्ट्र, गुजरात और हिमाचल प्रदेश के स?थापना दिवस के संयुक्त समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता एवं प्रदेश में निवासरत तीनों राज्यों के मूल निवासी मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल का समारोह में तीनों राज्यों के प्रतिनिधियों द्वारा उनके राज्य की परंपरा अनुसार अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला और महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री सी.पी. राधाकृष्णन के वीडियों संदेश का प्रसारण किया गया।

सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का हैं सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे सनातन धर्म में सभी की सुख-समृद्धि और उन्नति की कामना की गई है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम है। विवाह में सिर्फ वर-वधु का विवाह नहीं, बल्कि दो परिवारों और कुटुम्बों का मिलन भी होता है। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता का यह सपना होता है कि उसकी बेटी का, उन्होंने जितने अच्छे से लालन-पालन किया उससे अच्छा लालन-पालन और प्यार उसे ससुराल में मिलेगा। इस विश्वास के साथ ही बेटी के माता-पिता उसे वर को सौंपते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर जिले के गढ़ाकोटा में 23वें वृहद सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में 3 हजार 219 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समारोह में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत, मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, श्री अभिषेक दीपू भार्गव, डॉ. अनिल तिवारी, श्री शैलेश केसरवानी ने भी नव दंपत्तियों को वैवाहिक जीवन के शुभारंभ पर आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं।

SDM कब न्यायालय को जांच रिपोर्ट साक्ष्य में देगा जानिए/crpc....

राज्य सरकार के अधीन कार्य करने वाले मजिस्ट्रेट को कार्यपालक मजिस्ट्रेट कहते हैं इनके अंतर्गत छ्ठरू स्छ्ठरू तहसीलदार, नायाब तहसीलदार आते हैं एवं न्यायपालिका के अधीन कार्य करने वाले मजिस्ट्रेट न्यायिक मजिस्ट्रेट कहलाते हैं जैसे मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट, अपर जिला मजिस्ट्रेट, द्वितीय श्रेणी मजिस्ट्रेट आदि। इन दोनो स्तम्भो में न्यायपालिका सबसे ऊपर होती है क्योंकि कार्यपालक मजिस्ट्रेट को भी न्यायालय में साक्षी(गवाही) के लिए हाजिर होना पड़ता है जानिए कब स्छ्ठरू अपनी जाँच रिपोर्ट न्यायालय में साक्ष्य के रूप में देगा एवं पीड़ित व्यक्ति या आरोपी के कहने पर न्यायालय में भी गवाही के लिए उपस्थित होगा।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता,2023 की धारा 327 की परिभाषा?

कोई जांच रिपोर्ट जो किसी व्यक्ति से संबंधित है या किसी संपत्ति के मामले से सम्बंधित है तब कार्यपालक मजिस्ट्रेट विचारण के समय या अन्य कार्यवाही के लिए न्यायालय को भेजेगा एवं एवं वह रिपोर्ट न्यायालय में साक्ष्य अभिलेख का भाग होगी। अगर कोई कार्यपालक मजिस्ट्रेट किसी संदिग्ध व्यक्ति, मारे गए व्यक्ति, गुम हुए व्यक्ति, फरार व्यक्ति या भागा दिए गए व्यक्ति की जाँच रिपोर्ट न्यायालय को सौपता है तो भारतीय साक्ष्य अधिनियम,2023 के उपबन्धों के अनुसार देगे।

न्यायालय अगर उचित समझता है और आरोपी या पीड़ित व्यक्ति आवेदन करता है कि कार्यपालक मजिस्ट्रेट(छ्ठरू स्छ्ठरू तहसीलदार आदि) को साक्षी के तौर पर न्यायालय में उपस्थित किया जाए तब कार्यपालक मजिस्ट्रेट को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 327 खण्ड 02 के अनुसार स्वयं गवाही के लिए उपस्थित होना होगा।

■ **लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)**

नक्सलियों द्वारा तेंदूपत्ता ठेकेदारों से अवैध वसूली पर अंकुश लगाने एस पी और संबंधित अधिकारियों,ठेकेदारों की बैठक सम्पन्न

ज्ञान चन्द शर्मा/युवा प्रदेश

बालाघाटमंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक नगेंद्र सिंह , अधर गुप्ता वन मंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमण्डल एवम श्रीमती नेहा श्रीवास्तव वनमंडलाधिकारी उत्तर सामान्य वनमण्डल बालाघाट की संयुक्त अध्यक्षता में तेंदूपत्ता सीजन के दौरान नक्सलियों द्वारा ठेकेदारों से अवैध वसूली पर अंकुश लगाने हेतू उपायों व उनके प्रभावी क्रियान्वयन के सम्बंध में तेंदूपत्ता ठेकेदारों के साथ सामान्य बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा तेंदूपत्ता ठेकेदारों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए उन्हें कार्य करने,सुरक्षित वातावरण प्रदान करने हेतु आश्वस्त किया गया। तेंदूपत्ता ठेकेदारों द्वारा भी आश्वासन दिया गया कि नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु उनके द्वारा पुलिस प्रशासन की हर संभव सहायता की जावेगी। उक्त बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला(भा.पु.से.),अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाघाट विजय डाबर,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल सेल राकेश कुमार पंदरो एवम पुलिस विभाग के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लांजी,बैहर,परसवाड़ा एवम् संबंधित अनुविभागो के थाना/चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।वन विभाग के अधिकारियों मे एस डी ओ कटंगी,उकवा,बालाघाट, लांजी,बैहर एस डी ओ उपस्थित रहे।

जलसंरक्षण ग्रीष्मकाल के लिए पानी रोकने नाले पर किया बोरी बंधान

ज्ञान चन्द शर्मा/

बालाघाट। विकासखंड कंटगी द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्त्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत एमएसडब्ल्यु बीएसडब्ल्यु छात्रो एव जल अभियान परिषद द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन सिमिति आजनबिहारी व ग्रामीणजनो के संयुक्त तत्वावधान मे जल संरक्षण की दृष्टि से घोडेदेव नाले मे लगभग 180 बोरियो का बोरी बंधान कर जल संरक्षण एव संवर्धन संदेश दिया गया वही बंधान के बाद जल संरक्षण एंव संवर्धन के लिए संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र भगत ने कहा कि ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अध्ययनरत एमएसडब्लयू एव बीएमडब्ल्यू के छात्र छात्राओ के सामूहिक प्रयास से जल के संरक्षण और संवर्धन के लिए सभी कार्ययोजना तैयार कर उन्होने कहा कि हम सब ने पिछ्ले वर्ष भी आजादी के अमृत महोत्सव अवसर पर विकासखंड वारासिवनी एव कंटगी मे जल संरक्षण एव संवर्धन के लिए 75 स्थानो पर बोरी बंधान और सोखता गडे का निर्माण कर अपने स्थानो मे संगोष्ठी चौपाल बैठक रैली चर्चा और ग्रामीण लोगो को शपथ दिलाकर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर संकल्प पूरा है इस वर्ष भी सभी परामर्शदाता नवाकर संस्थाओ के पदाधिकारी प्रस्फुटन समितियो के पदाधिकारी एव मुख्य मंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत समाज कार्य मे खातक और स्ताकोतर के सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा यह संकल्प पूरा करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है।

शिवसेना शहडोल संभाग प्रमुख पवन पटेल ने जेडी शहडोल के नाम सौंपा ज्ञापन

कोतमा नगर पालिका में चल रहे सभी गुणवत्ताहीन कार्यों की जांच और उपयंत्री ओमवती तिवारी के स्थानांतरण की मांग

कैलाश कुमार - सह संपादक (मध्यप्रदेश)

अनूपपुर - शिवसेना मध्यप्रदेश प्रमुख सुनील जी शर्मा के आदेश पर शहडोल संभाग प्रभारी विवेक पांडेय जी के निर्देश पर आज दिनांक 01/05/2025 को शहडोल संभाग प्रमुख पवन पटेल ने संयुक्त संचालक शहडोल के नाम अनूपपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंप मांग की है कि अनूपपुर जिले की कोतमा नगर पालिका में व्याप्त अनियमिततायो के साथ कई निर्माण कार्य किया जा रहे हैं जिसमें कोतमा वार्ड क्रमांक 1 में लगभग 4 करोड़ 70 लाख रुपए का इनडोर

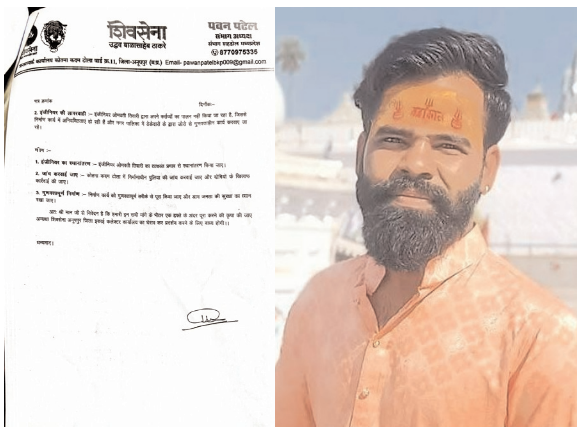

स्टेडियम निर्माण कार्य में निर्माण एजेंसी ठेकेदार निविदा , वर्क ऑर्डर नियम के विपरीत कार्य, वार्ड क्रमांक 8 में मगरदहा टोला में अरुण चक्रधारी के घर से लालमणि चक्रधारी के घर तक और कोतमा कदम टोला में आर सीसी नाली निर्माण कार्य में एजेंसी ठेकेदार ने बेहद ही घटिया और गुणवत्ताहीन कार्य किया और अब कोतमा कदम टोला वार्ड नंबर 11 में प्यारेलाल कोल के घर के सामने गुणवत्ताहीन पुलिया निर्माण कार्य हो रहा है। इसके साथ ही वार्ड नं 13 में एफ एस टी पी का निर्माण कराया गया है जो कि गुणवत्ताहीन है और कई समाचार पत्रों में इसकी गुणवत्ता को लेकर खबर प्रकाशित की गई है लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इस पर भी कोई कार्यवाही नहीं की। इसी प्रकार से पूरे कोतमा नगर पालिका अंतर्गत ठेकेदार इस्टीमेट के विपरीत मनमाने तरीके से मजदूरों के भरोसे गुणवत्ताहीन कार्य करते है और जिम्मेदार अधिकारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी कोतमा प्रदीप झारिया एवं इंजीनियर ओमवती तिवारी के द्वारा निर्माण कार्य स्थल की जांच न कर पूरी तरीके से चुप्पी साध के रखी हैं और गुणवत्ताहीन कार्यों का निरीक्षण ऑफिस में बैठे ही कर लेते हैं जिससे ठेकेदार का बिल बड़ी आसानी से पास हो जाता है जो कि इस संबंध में ज्ञापन प्रस्तुत कर रहे हैं। हमारी मांग है कि कोतमा नगर पालिका इंजीनियर ओमवती तिवारी का स्थानांतरण किया जाए और कोतमा नगर पालिका अंतर्गत कराए जा रहे समस्त निर्माण कार्य विशेष रूप से कदम टोला में निर्माणाधीन पुलिया की जांच करवाई जाए।

कारण

1. गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य- कोतमा कदम टोला में निर्माणाधीन पुलिया का कार्य गुणवत्ताहीन तरीके से किया जा रहा है, जिससे आम जनता की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

2. इंजीनियर की लापरवाही- इंजीनियर ओमवती तिवारी द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे निर्माण कार्य में अनियमितताएं हो रही हैं और नगर पालिका में ठेकेदारों के द्वारा जोरो से गुणवत्ताहीन कार्य करवाए जा रहे।

मांग

1. **इंजीनियर का स्थानांतरण-** इंजीनियर ओमवती तिवारी का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण किया जाए।

2. **जांच करवाई जाए-** कोतमा कदम टोला में निर्माणाधीन पुलिया की जांच करवाई जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

3. **गुणवत्तापूर्ण निर्माण-** निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए और आम जनता की सुरक्षा का ध्यान रखा जाए।

सभी मांगे एक हफ्ते के अंदर पूरा करने की कृपा की जाए अन्यथा शिवसेना अनूपपुर जिला इकाई कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी।

उक्त ज्ञापन सौंपते समय शिवसेना शहडोल जिला प्रमुख शिव चक्रवर्ती, कोतमा नगर प्रमुख बरकत कुरैशी, राकेश प्रजापति मुख्य रूप से उपस्थित रहे।।

हट्टा पुलिस ने दुष्कर्म के सभी 06 आरोपियों व 01 विधिविरुद्ध बालक को शनिवार को न्यायालय में किया पेश

ज्ञानचन्दशर्मा/बालाघाट। पुलिस अधीक्षक नगेंद्रसिंह ने घटना की गंभीरता एवम् संवेदनशीलता के चलते त्वरित न्याय दिलाने हेतू अपराध को सनसनीखेज व जघन्य अपराध की श्रेणी में चिन्हित करते हुए तत्काल एक विवेचना टीम का गठन कर विवेचना फास्ट ट्रैक में पूर्ण करने हेतू निर्देश दिए। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में बलात्कार की एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई ।जिसकी जानकारी पुलिस को घटना के लगभग एक दिन बाद मिली।

पुलिस अधीक्षक ने इस सम्बंध में आमजन से अपील की है कि ऐसे जघन्य अपराधो की सूचना बिना किसी से डरे नि:संकोच तत्काल पुलिस को दे ।जिससे समय पर कार्रवाही की जा सके और अपराधियों को कानून के दायरे में लाया जा सके। 25 अप्रैल दिन शुक्रवार को 17 वर्षीय बालिका ने अन्य बालिकाओं व परिजनों के साथ हट्टा थाना में उपस्थित होकर उनके साथ घटित घटना के विषय में जानकारी दी गई ।पुलिस ने सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर अविलम्ब सभी दोषियों के विरुद्ध धारा 70(1),70(2),351(2)bns 5/6 posco act, SC/St act 3(1)(2द्व)3(2)(5),3(2)(5) क का अपराध पंजीबद्ध किया गया। 23 अप्रैल को शाम के वक्त 04 बालिकाएं (01 बालिग 03 नाबालिग) अपने चाचा के साथ 04 किलोमीटर दूर दूसरे गांव के शादी समारोह में सम्मिलित होने गई थी ।रात्रि लगभग 2 बजे सभी बालिकाएं चाचा के साथ अपने घर लौट रही थी तभी रास्ते में इसी शादी समारोह में शामिल 07 लड़के 02 मोटरसाइकल में आए जिनके द्वारा बालिकाओं के साथ जा रहे चाचा को डरा धमकाकर भगा दिया गया तथा बालिकाओं के साथ बलात्कार की घटना कारीत की ।सभी आरोपियों द्वारा पीड़ितों को घटना के विषय में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में हट्टा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अविनाश सिंह राठौर के नेतृत्व में गठित विवेचना टीम द्वारा रिपोर्टिंग के मात्र 03 घण्टे उपरांत ही संभावित ठिकानों में दबिश देकर सभी 06 आरोपियों एवम 01विधिविरुद्ध बालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया ।जिनके विरुद्ध विधिवत् कार्यवाही उपरांत आज शनिवार को माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

1.लोकेश मातरे पिता संतोष मातरे उम्र 22 वर्ष,2.लालचंद खरे पिता चमारू खरे उम्र 34 वर्ष,3.अजेंद्र बाहे पिता शिवलाल बाहे उम्र 28 वर्ष,4. अज्जू उर्फ राजू बगड़ते पिता रामचरण बगड़ते उम्र 21वर्ष,5. राजेन्द्र कावरे पिता मदनलाल कावरे उम्र 20 वर्ष,6.मनीराम बाहे पिता शिवचरण बाहें उम्र 21वर्ष,17 वर्षिय विधिविरुद्ध बालक सभी निवासी ग्राम भगतपुर चौकी गोदरी थाना हट्टा।

अयोध्या बायपास चौड़ीकरण का कार्य एक जून से शुरू 2 साल में होगा पूरा होने का अनुमान

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भोपाल में रत्नागिरी से आशाराम तिराहे तक 16 किलोमीटर लंबे अयोध्या बायपास मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य एक जून से शुरू होगा। इस मार्ग की चौड़ीकरण की लागत 836 करोड़ रूपये है। इसे 2 वर्ष की समयावधि में पूरा किया जायेगा। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने मंगलवार को मंत्रालय निर्माण एजेंसी एनएचएआई के अधिकारियों और संबंधित विभागों के अन्य अधिकारियों निर्माण कार्य की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की।

राज्यमंत्री ने कहा कि निर्माण के दौरान आने वाली किसी भी कठिनाई के निराकरण के लिये अधिकारियों से तुरंत संपर्क करें। कठिनाई का तुरंत निराकरण किया जायेगा। इस कार्य में विलंब नहीं होना चाहिए, 2 वर्ष की तय समय-सीमा में तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश का आदर्श रोड होगा। इसमें फ्लाई ओवर आदि का निर्माण भी शामिल है। एनएचएआई के इस प्रोजेक्ट के डारेक्टर श्री देवांश नरवाल ने बताया कि अयोध्या बायपास चौड़ीकरण का कार्य तय समय-सीमा में पूरा होगा। इसमें सबसे पहले सर्विस रोड बनाई जायेगी ताकि यातायात बाधित नहीं हो। अयोध्या बायपास चौड़ीकरण में आने वाले पेड़ों को हटाया जायेगा।

हटाये जाने वाले पेड़ों के स्थान पर हटाये गये पेड़ों की संख्या के 4 गुना से अधिक पेड़ लगाये जायेगें। प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण में आने वाले विद्युत पोल और पाइप लाईन आदि को समय पर शिफ्ट किया जायेगा। बैठक में आनंद नगर फ्लाई ओवर निर्माण, रत्नागिरी तिराहे पर मेट्रो रेल फ्लाई ओवर निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। राज्य मंत्री कृष्णा गौर ने आनंद नगर फ्लाई ओवर निर्माण के लिये भूमि अधिग्रहण के कार्य को अगले एक सप्ताह में पूरा करने के निर्देश दिये।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने भोपाल में आयोजित रोजगार मेले में अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित रोजगार मेले में अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। 15वां रोजगार मेला देशभर में 47 स्थानों पर आयोजित किया गया। रोजगार मेले को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया और

51,000 से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किये। इसी क्रम में भोपाल के समन्वय भवन में भी रोजगार मेला आयोजित किया गया। शिवराज सिंह चौहान ने अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक नए वैभवशाली, गौरवशाली, सम्पन्न, समृद्ध और शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य है। युवाओं को शिक्षा और योग्यता प्राप्त करने के बाद रोजगार मिले, इसके लिए 10 लाख शासकीय पदों पर नए अवसर सृजित किये हैं। इसमें से 51,000 मित्रों, जिनमें 200 से अधिक भोपाल में उपस्थित हैं, उनको नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल शासकीय नौकरी नहीं, स्वरोजगार के माध्यम से भी रोजगार के अवसर निर्मित हो रहे हैं। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा कृषि में भी वेल्यू एडिशन के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि रोजगार के नए अवसरों का सृजन हो सके। केन्द्रीय मंत्री ने युवाओं से कहा कि आप सौभाग्यशाली हैं, आपको अलग-अलग विभागों में रोजगार का स्वर्णिम अवसर मिला है, लेकिन आपको केवल अपने लिए नहीं, बल्कि देश-समाज के लिए काम करना है और देश के विकास में योगदान देना है। उन्होंने कहा अवसर मिला है तो आप बेहतर से बेहतर करने का प्रयास करें। विकसित भारत के निर्माण में आपका यही सहयोग हो सकता है। उन्होंने कहा आप अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करें और अपनी मेहनत, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से 2047 तक देश को संपूर्ण रूप से विकसित बनाने में अपना योगदान दें। कार्यक्रम में एफसीआई, ईएसआईसी, डाक विभाग, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक, रेलवे, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, सीजीएसटी समेत कई विभागों के 219 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

शासकीय डॉ. कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ कर्मचारियों के लिए रक्तदान शिविर आयोजित

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

शासकीय डॉ. कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय में समस्त चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ तथा कार्यालयीन कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सालय के अधिकारी, चिकित्सक एवं कर्मचारीगण ने उत्साहपूर्वक स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। काटजू चिकित्सालय की नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि चिकित्सालय में कई बार उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी कराई जाती है, जिसके लिए रक्त की निरंतर उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। डॉ. रचना दुबे ने कहा कि रक्तदान न केवल जरूरतमंद मरीज के जीवन के लिए संजीवनी है, बल्कि रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है क्योंकि इससे शरीर में नया रक्त बनने की प्रक्रिया सक्रिय होती है। उन्होंने रक्तदान शिविर के सफल आयोजन के लिए समस्त स्टाफ को बधाई देते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की सेवाभावी गतिविधियों में सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

सेना के आधुनिकीकरण के लिए विशेष बैंक खाते में दान संबंधित व्हाट्सएप संदेश झूठा, रक्षा मंत्रालय ने किया खंडन

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और कार्रवाई में घायल या मारे गए सैनिकों के लिए किसी विशेष बैंक खाते में दान देने से संबंधित व्हाट्सएप पर एक भ्रामक संदेश चल रहा है। संदेश में इस आशय के कैबिनेट के फैसले का हवाला दिया गया है और प्रस्ताव के प्रमुख प्रस्तावक के रूप में फ़िल्मअभिनेता अक्षय कुमार का नाम लिया गया है। उक्त संदेश में खाते का विवरण गलत है, जिसके कारण ऑनलाइन दान का अनादर हो रहा है। लोगों को सतर्क रहना चाहिए और इस तरह के धोखाधड़ी वाले संदेशों का शिकार नहीं होना चाहिए। सरकार ने सक्रिय युद्ध अभियानों के दौरान मारे गए या विकलांग सैनिकों के लिए कई

कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं।2020 में, सरकार ने 'सशस्त्र बल युद्ध हताहत कल्याण कोष (AFBCWF)' की स्थापना की, जिसका उपयोग उन सैनिकों/नाविकों/वायुसैनिकों के परिवारों को तत्काल वित्तीय सहायता देने के लिए किया जाता है जो सक्रिय सैन्य अभियानों में अपनी जान दे देते हैं या गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। भारतीय सेना, पूर्व सैनिक कल्याण विभाग, रक्षा मंत्रालय की ओर से निधि के लिए खातों का रखरखाव करती है। योगदान सीधे सशस्त्र बल युद्ध हताहत कल्याण कोष के खाते में किया जा सकता है। बैंक खातों का विवरण रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है । दान नई दिल्ली में देय एएफबीसीडब्ल्यूएफ के पक्ष में तैयार किए गए डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से भी किया जा सकता है जिसे डाक द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजा जा सकता है।

विप्र ,संत और भक्ति ज्ञान के अद्भुत त्रिवेणी संगम के साथ परशुराम प्रगटोतसव सम्पन्न

सच्चे मन से किया गया कार्य निश्चित रूप से पूर्ण होता है। महंत लवलीन महराज

कैलाश कुमार - सह संपादक (मध्यप्रदेश)

अनूपपुर । विप्र समाज के संयोजन में एकीकृत ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान भार्गव परशुराम जी का जन्मोत्सव अत्यंत उत्साह और गरिमामय वातावरण में अनूपपुर सनातन धर्मस्थली श्री राम जानकी मंदिर में भव्यता के साथ भगवान परशुराम के चित्र में विंध्य संत गौरव स्वामी आश्रम धारकुंडी परमहंस अमरकंटक के महंत लवलीन जी महाराज एवं हनुमत आश्रम खामीडोल शाहपुर जगतगुरु स्वामी दांडी जी महाराज तथा मां काली भक्त अमरकंटक के संत राजेश अजाद बाबा के उपस्थित में संपन्न हुआ ,अपराह्न 3:00 बजे से पंडित विद्याधर पांडे अध्यक्ष अखिल भारतीय एकीकृत ब्राह्मण परिषद पारंपरिक वेशभूषा मे पत्नी के साथ पूजन अर्चन किया पूरा वातावरण वैदिक मंत्र मंदिर के विद्वान आचार्यों एवं अन्य उपस्थित ब्राह्मण वेद पाठी जनों ने वेद पाठ के साथ पूजन सम्पन्न हुआ।अद्भुत और अत्यंत आनंद उत्सव मे सभी विप्र गगन भेदी जयकारो के साथ तन मन का शुद्ध भूलकर जय हो करते हुए विशाल भावनात्मक भाव से माला समर्पित किया ।भक्ति भाव के साथ भजन कीर्तन हुआ तब वह समय आया जिसकी प्रतिक्षा लंबे समय थी, मांगलिक वाद्य शंख विजयघंट नगाड़े और अन्य परंपरा अनुसार मांगलिक कलश लेकर माताएं श्रीमती संध्या पांडे, श्रीमती बेला शुक्ला, श्रीमती रजनी, श्रीमती पूजा शुक्ला, श्रीमती सावित्री त्रिपाठी,श्रीमती विद्या शर्मा जगतगुरु स्वामी दांडी जी महाराज एवं लवलीन दास जी के साथ पधारे स्वामी राजेश अजाद जी का अगवानी कर उन्हें कार्यक्रम स्थल तक आदर पूर्वक लाया गया जहां सभी संतों के द्वारा विशाल भगवान परशुराम जी के प्रतिमा में माल्यार्पण करते हुए पूजन किया । उपस्थित संतों का आयोजक मंडल के पंडित मधुसूदन द्विवेदी, शेषनारायण शुक्ला और सतेन्द्र स्वरूप दुबे जी के द्वारा श्रीफल, साल और विशाल माला से मंचासीन संतों का सम्मान किया । सच्चे मन से किया गया कार्य निश्चित रूप से पूर्ण होता है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की आसंदी से आपने अत्यंत सारगर्भित विचार रखते हुए आदरणीय संत लवलीन महराज जी ने कहा कि भगवान परशुराम जन-जन के मन में व्याप्त हैं , सभी की भावनाओं को समझते हुए उनकी मदद करते हैं, हैहय वंशज सहस्त्र अर्जुन की कथा भूमिका में रखते हुए भार्गव परशुराम जी के पराक्रम बल विक्रम धैर्य शौर्य का वर्णन करते हुए आपने कहा कि हमें उनके बताए गए मार्गों पर चलना चाहिए और अनूपपुर का विप्र समाज जो कार्य कर रहा है निश्चित रूप से सराहनीय है और इसे लक्ष्य की पूर्ति अवश्य मिलेगा क्योंकि अनूपपुर का विप्र समाज निस्वार्थ एवं सच्चे मन से कार्य करते हैं, इसलिए विप्र समाज अपने उद्देश्यों पर निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेगा यह मुझे पूर्ण विश्वास है।

सभा का पांडित्यपूर्ण संचालन करते हुए विप्र समाज के संयोजक रामनारायण द्विवेदी ने पूरे आयोजन पर विहंगम प्रकाश डालते हुए कहा कि विप्र समाज गठन की आवश्यकता क्यों पड़ी इसका लक्ष्य क्या है और आगे क्या करना है इस पर प्रकाश डालते हुए अत्यंत समास शैली में विचार रखते हुए आपने बताया की ब्राह्मण समाज ब्राह्मणों के हित के लिए चंदा और राजनीति से हटकर कार्य कर रहा है और आगे समस्त विप्रवर जनों से संपर्क स्थापित कर नारियल और जनेऊ लेकर सदस्यता अभियान को आगे बढ़ रहा है और अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर है जिसके परिणीति मे आज इस सभा में अमरकंटक क्षेत्र के विभूति संत हमारे बीच उपस्थित हैं । संत राजेश आजाद जी अमरकंटक का आशीष वचन देते हुए कहा कि जिस तरह अनूपपुर का विप्र समाज आस्था से कार्य कर रहा है बिना चंदा बिना राजनीति का यह अनुकरणीय साबित होगा।

सभा समापन में अध्यक्षता कर रहे जगतगुरु माननीय स्वामी दंडी महाराज ने इस आयोजन को मुक्त कंठ से आशीर्वाद दिया और इसके उत्तरोत्तर बढ़ने के लिए कामना किया तथा अनूपपुर के विप्र समाज को जब भी मेरी जरूरत पड़े मैं पूर्ण मनोयोग से हमेशा उपलब्ध रहूंगा ,

समापन क्रम में आभार व्यक्त करते हुए सुयोग्य व्यक्तित्व पंडित सुरेंद्र शुक्ला ने आए हुए संतो के प्रति इस आशा के साथ आभार व्यक्त किया की हम जब भी आपको याद करें हमारी छोटी सी आमंत्रण में आने की कृपा अवश्य करें आप संतो के आगमन से इस आयोजन की की गरिमा बढ़ा है , अनूपपुर जिले का विप्र समाज हमेशा आपका आभारी रहेगा। परशुराम प्रकटोत्सव कार्यक्रम के अंत में भजन की शानदार प्रस्तुति राम सजीवन गौतम एवं ऋषि राज सिंह और उनकी टीम कुमारी अनुष्का गौतम, कुमारी कृतिका मिश्रा, कुमारी कृष्णा श्रीवास्तव और कृष्णा सिंह प्रस्तुत की जो निश्चय ही मनभावन रहा। इस आयोजन मंडल में प्रमुख रूप से सर्व पंडित चैतन्य मिश्रा, पंडित बाबूलाल पाठक, पंडित संजय मिश्रा, पंडित देवानंद शुक्ला, पंडित प्रदीप पांडे, पंडित श्रीनिवास तिवारी, पंडित मधुकर चतुर्वेदी, जितेंद्र पांडे , दिलीप शर्मा ,संदीप मिश्रा,पंडित वेद प्रकाश गर्ग, पंडित बिहारी लाल तिवारी, रामसुंदर शर्मा, मयंक त्रिपाठी, आदर्श दुबे , महेश मिश्रा क्योटार, बीके मिश्रा सकोला, धीरेंद्र द्विवेदी चकेटी, उपसरपंच एवं जिले के कोने-कोने से प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समापन में भंडारा प्रसाद का वितरण किया गया सभी प्रसाद प्राप्त किया सभी प्रसाद प्राप्त किया और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग जिनका प्राप्त हुआ उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित

प्रकाश थोरेचा
जन्म- 17 अप्रैल 1970
मृत्यु- 24 अप्रैल 2025
पिता का नाम- श्री जगदीश चंद्र थोरेचा
निवास- नीमच

इनके बारे मे कुछ विशेष- श्री प्रकाश थोरेचा के पास मार्केट रिसर्च और मैनेजमेंट कंसल्टेंसी के क्षेत्र में 28+ वर्षों का समृद्ध अनुभव है। उन्होंने हिंदुस्तान लीवर लिमिटेड, आईटीसी, पेप्सिको, पारले, पीएंडजी, एलेम्बिक फार्मा, फ्लेक्सिको फार्मा, विश्व बैंक और पेट्रोलियम मंत्रालय जैसे उद्योगों में अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने संगठनों, संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों और उद्योगों को 250 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम दिए हैं, छात्र विकास कार्यक्रम, कर्मचारी विकास कार्यक्रम, प्रबंधन विकास कार्यक्रम, उद्यमिता विकास कार्यक्रम, कुछ नाम हैं कमिंस टर्बो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, आदित्य ग्रुप ऑफ कंपनीज, भिलाई स्टील प्लांट, बीआर ह्यूमन रिसोर्स प्राइवेट लिमिटेड, सेज यूनिवर्सिटी, वान्या एजुकेशन, पायनियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंटरप्रेन्योरशिप स्टडीज और कई अन्य। इस महान आत्मा ने अपने नेत्र दान करके एक बार फिर दुनिया को रोशन कर गए ऐसी महान आत्मा को सतत सतत नमन।

श्री राजकुमार राठौर (नादनेर)

भीम आर्मी आज़ाद समाज पार्टी युवा मोर्चा ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में किया विरोध प्रदर्शन, श्रद्धांजलि सभा का आयोजन।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल, 28 अप्रैल 2025 — जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निहत्थे पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले से आहत भीम आर्मी आज़ाद समाज पार्टी युवा मोर्चा ने सोमवार की शाम भोपाल स्थित ग्राम छावनी में परम पूज्य डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के स्तंभ पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस दौरान हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। सभा के दौरान पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद, और जातिवाद मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए गए। इस अवसर पर भीम आर्मी आज़ाद समाज पार्टी भोपाल जिला अध्यक्ष मोहन अहिरवार जी ने अपने तीखे शब्दों में कहा, आतंकवाद और जातिवाद दोनों ही मानव सभ्यता के लिए नासूर बन चुके हैं और अब इनका इलाज केवल बोली नहीं, गोली है। देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए अब कठोर कदम उठाने का समय आ गया है। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि अगर पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान पर कठोर कार्रवाई की जाती, तो शायद आज पहलगाम की हरियाली पर हमारे देशवासियों का लहू न बहता। अब देश की जनता आक्रोशित है और सरकार से निर्णायक कार्रवाई की अपेक्षा रखती है। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई ही उन शहीद पर्यटकों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस श्रद्धांजलि सभा में मोहन अहिरवार जी के साथ युवा समाजसेवी अतर सिंह भारती जी, उपाध्यक्ष बबलू जाटव जी, सचिव शरण त्रिपालिया जी, नरेला विधानसभा अध्यक्ष जितेंद्र सूर्यवंशी जी, तथा अन्य गणमान्य पदाधिकारी काशीराम अहिरवार जी, कैलाश अहिरवार जी, नीलेश अहिरवार जी, राजा अहिरवार जी सहित भोपाल जिले के कई कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता सुदामा प्रसाद ने श्रद्धाजलि अर्पित की

कैलाश कुमार - सह संपादक (मध्यप्रदेश)

भोपाल – जम्मू कश्मीर में पहलगाम कस्बे में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में राजधानी भोपाल के वरिष्ठ अधिवक्ता सुदामा प्रसाद ने सभी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और सरकार से अपील की है पहलगाम कि इस घटना को अंजाम देने वाले दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए । साथ ही उन पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये। सुदामा प्रसाद ने कहां की पहलगाम में हुये इस आतंकी हमले में निर्दोष, निहत्थे पर्यटको को मारा गया है ये निहायति कायराना हरकत की गई है। हमारी सरकार इस हमले का बहुत ही जल्द करारा जवाब देगी। हमारे देश की सेना और तमाम एजेंसिया इस में कार्य लग चुकी है इनको जवाब तो जरूर मिलेगा। हमारी सरकार एक मिसाल कायम करेगी जिससे भविष्य में सभी आतंकवादी संगठनो को इस तरह की ओछी हरकत करने से पहले हजार बार सोचना होगा। जिन लोगों को दोषी पाया जायेगा उन्हें कभी नही बक्षा जाएगा।

भारतीय संविधान में कई शक्तिशाली अनुच्छेद (Articles) हैं, लेकिन अगर सबसे पावरफुल अनुच्छेद की बात करें, तो आमतौर पर अनुच्छेद 32 (Article 32) को सबसे शक्तिशाली माना जाता है।

अनुच्छेद 32-

इसे संविधान का हृदय और आत्मा (heart and soul) कहा गया है — ऐसा डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था। यह नागरिकों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में सीधे सुप्रीम कोर्ट में जाने का अधिकार देता है। इसके अनुसार सुप्रीम कोर्ट को रिट (writ) जारी करने का अधिकार है — जैसे कि हबियस कॉर्पस, मैंडमस, सर्टियोरारी, क्वो वारंटो, और प्रोहिबिशन।

1यानी अगर किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का हनन होता है तो वह सीधे सर्वोच्च न्यायालय से न्याय मांग सकता है।

इसके अलावा कुछ और पावरफुल अनुच्छेद हैं, जैसेट्ट

आर्टिकल 368- संविधान संशोधन की प्रक्रिया बताता है 356-राष्ट्रपति शासन लगाने का प्रावधान (State Emergency)।

आर्टिकल 370 (अब हटाया जा चुका है)जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देता था।

आर्टिकल 21- जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार, जिसे राइट टू लाइफ कहा जाता है।

कुमारी साधना मिश्रा दिल्ली

युद्ध नहीं बुद्ध का ज्ञान चाहिए

भीम कुमार
गांवा, गिरिडीह, झारखंड

बैशाख पूर्णिमा दिन था पावन,
शुद्धोधन के घर आया राजकुमार।
महामाया थी माता उनकी
खुशियां मना, मना जैसे त्योहार।
मां गुजर गाई बचपन में,
पालन- पोषण की गौतमी मौसी ने।
यशोधरा संग उनका हुआ विवाह
पुत्र राहुल का वर्षों बाद जन्म हुआ।
सांसारिक दुखों से विचलित हो कर
न जाने क्यों विरक्ति हुई।
छोड़ सिंहासन,राज - पाट सब
क्यों गृह त्यागी हुए।
रहे भटकते वर्षों तक
न जाने कौन सी उनको शक्ति मिली।
पुत्र - पत्नी को छोड बीच राह में
निकल पड़े वो सत्य और ज्ञान की चाह में।
बोध गया में पीपल के नीचे ज्ञान वो पाये,
सत्य - अहिंसा न्याय को अब वो जान भी पाये।
सुखमय जीवन त्याग दिए वो
अब सन्यासी का मार्ग अपनाए।
विचित्र रहा है जीवन उनका,
गौतम से अब बुद्ध कहलाए।
सारनाथ में प्रथम वो उपदेश दिए,
अपने अनुयायियों को वे आदेश दिए।
दुख है दुख का कारण
दुख नीरोध और सत्य मार्ग का ज्ञान दिए।
नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी का
अब वो रहा ज्ञान कहां।
विश्वगुरु था भारत जग में,
अब वो रहा सम्मान कहां।
भटक रहे लोग अंधविश्वास,
आडंबर और पाखंड में।
बुद्ध ने कहा पहले जानो,तब मानो
मत रहो तुम घमंड में।
दुनियां में फैला बुद्ध का ज्ञान,
जग में बढ़ा भारत का मान।
अब भारत की खोई अस्मिता और
पहचान चाहिए।
बस करो भीम अब युद्ध,
युद्ध नहीं बुद्ध का ज्ञान चाहिए।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने चिलवाहा में आंगनवाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन। कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा ग्राम चिलवाहा में आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से केंद्र में दर्ज बच्चों की संख्या तथा नियमित उपस्थिति, पोषण आहार वितरण, टीकाकरण आदि की जानकारी ली। कलेक्टर ने बच्चों से भी संवाद कर पूछा कि उन्हें आंगनवाड़ी आना अच्छा लगता है या नहीं, यहां कौन कौन सी खेल गतिविधियां होती हैं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका रोजाना आती हैं या नहीं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने बच्चों से कहा कि वह आंगनवाड़ी जरूर आएं। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

देश विरोधी अमानवीय व्यवहार छुआछूत के खिलाफ

सामाजिक कार्यकर्ता अतर सिंह भारतीय की समाज से विनम्र अपील

सम्मानित साथियों, जैसा कि आप सभी जानते ही हैं कि छुआछूत एक अमानवीय व्यवस्था के तहत न सिर्फ अमानवीय व्यवहार है बल्कि असंवैधानिक यानि गैर कानूनी भी है साथ ही एक - दूसरे से छुआछूत करना अप्राकृतिक भी है।

इस बुराई को खत्म करने के लिए समय - समय पर अनेक महापुरुषों जैसे कि तथागत बुद्ध, संत कबीर, संत रविदास, रामास्वामी पेरियार, मदर टेरेसा, महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्री देवी फुले, संत गाडगे बाबा, डॉ भगतराम यादव, बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर, मान्यवर कांशीराम साहब जैसे अन्य कई ने अपने - अपने स्तर से प्रयास किया है जो कि निरंतर है। लेकिन इस अमानवीय व्यवहार की जड़ें भारतीय समाज में इतनी गहरी जमीं हुई हैं कि आज तक आजाद भारत के 75 साल बीत जाने के बाद भी उखाड़ी नहीं जा सकी हैं। लेकिन परिवर्तन जारी है कुछ क्षेत्रों में

अपीलकर्ता- अतर सिंह भारतीय
(सामाजिक कार्यकर्ता, मप्र)

सराहनीय सफलता भी मिल सकी है। परंतु पूर्ण रूप से खत्म नहीं हुई है जो कि सर्व समाज के लिए शर्मनाक और गैर जिम्मेदाराना भी है। छुआछूत जैसे अमानवीय व्यवहार के कारण देश में न सिर्फ लगातार अशांति का माहौल बना रहता है बल्कि देश का व्यापक पैमाने पर आर्थिक नुकसान भी हो रहा है।

इस अमानवीय बुराई के कारण देश में कई निर्दोष लोगों की हत्याएं तक हो जाती हैं, धन का भी नुकसान होता है। महिलाओं के साथ बुरा व्यवहार, छात्रों के साथ स्कूल व कॉलेज में मजदूरों के साथ कार्य स्थल पर तथा कई जनप्रतिनिधियों के साथ कुर्सी पर बैठ ने पर भी होता है। चूंकि भारतीय समाज में यह बुराई सदियों से चलती आ रही है इसलिए यह पारंपरिक रूप लिए संस्कृति में तब्दील होते हुए मानसिक रूप से घर बना चुकी है। जोकि लोगों के आम व्यवहार में है। लेकिन इस अमानवीय व्यवस्था, बुराई, गैर कानूनी, अप्राकृतिक, असहनीय और नुकसानदायक परम्परा को जड़ से खत्म करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। छुआछूत जैसे अमानवीय व्यवहार से न सिर्फ़ उन लोगों का नुकसान है जिनसे छुआछूत की जाती है बल्कि उन लोगों का भी नुकसान है जो छुआछूत करते हैं। कुल मिलाकर देश का राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार से भयंकर नुकसान है।

अतः समस्त सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं व संगठनों से समाज तथा देश हित में सामाजिक कार्यकर्ता अतर सिंह भारतीय की विनम्र अपील है कि जहां कहीं भी राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक सार्वजनिक (एक से अधिक जाति) मंच, कार्यक्रम का आयोजन हो वहां पर सार्वजनिक रूप से गिलास में पेयजल, स्वल्पाहार (फल छोड़कर), प्रसाद, लंगर, भंडारा आदि यथाशक्ति जरूर करें, जिससे कि समाज से छुआछूत को खत्म करने में सहायक सिद्ध होगा।

।। सत्यमेव जयते, जय संविधान।।

राजनीतिक लोकतंत्र को लेकर अंबेडकर की चिंता और चेतावनी!

डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने राजनीतिक लोकतंत्र के बारे में गहरी चिंताएँ और चेतावनियाँ व्यक्त की थीं, जो भारत जैसे विविधतापूर्ण और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं से भरे देश के संदर्भ में विशेष रूप से प्रासंगिक थीं। अंबेडकर का मानना था कि केवल राजनीतिक लोकतंत्र, जहाँ एक व्यक्ति, एक वोट की व्यवस्था हो, पर्याप्त नहीं है। यदि सामाजिक और आर्थिक असमानताएँ बनी रहती हैं, तो राजनीतिक लोकतंत्र सतही और कमजोर होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि बिना सामाजिक लोकतंत्र (जाति, वर्ग, और लिंग आधारित भेदभाव का अंत) और

आर्थिक लोकतंत्र (संसाधनों का समान वितरण) के, राजनीतिक लोकतंत्र केवल एक दिखावा बनकर रह जाएगा। अंबेडकर ने बार-बार जोर दिया कि जाति व्यवस्था भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि जाति सामाजिक एकता को तोड़ती है और व्यक्ति को समुदाय के बजाय अपनी जाति के प्रति वफादार बनाती है। यह लोकतांत्रिक भावना, जो समानता और बंधुत्व पर आधारित है, को कमजोर करती है। संविधान सभा में अपने अंतिम भाषण (25 नवंबर, 1949) में, अंबेडकर ने चेतावनी दी कि यदि भारतीय लोग लोकतंत्र के प्रति उदासीन रहे और संवैधानिक मूल्यों को जीवन में नहीं उतारा, तो लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है। उन्होंने कहा, हमें यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल एक शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि एक जीवन पद्धति है, जो स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित हो। अंबेडकर ने संवैधानिक नैतिकता (Constitutional Morality) की आवश्यकता पर बल दिया। उनका कहना था कि लोकतंत्र तभी सफल होगा जब लोग और संस्थाएँ संविधान के प्रति निष्ठा रखें और सत्ता का दुरुपयोग न करें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शक्तिशाली लोग या समूह अपने हितों के लिए संविधान को कमजोर करते हैं, तो लोकतंत्र असफल हो सकता है। अंबेडकर ने नेताओं और जनता दोनों से अपील की कि वे लोकतंत्र की रक्षा के लिए जिम्मेदार बनें। उन्होंने कहा कि अंधभक्ति और व्यक्तिपूजा लोकतंत्र के लिए घातक है। साथ ही, उन्होंने जनता को शिक्षित और जागरूक होने की सलाह दी ताकि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझ सकें। अंबेडकर ने चेतावनी दी कि यदि सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ दूर नहीं की गईं, तो वंचित वर्गों में असंतोष बढ़ेगा, जो हिंसक क्रांति का रूप ले सकता है।

सड़क हादसे में दो की गई जान, पुलिस की लापरवाही आई सामने,

पहली घटना में बाइक में लगी थी आग, दुर्घटनाग्रस्त ट्रॉली के पीछे फिर जा घुसी बाईक

संभागीय संवाददाता - राजू राय

शहडोल। सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई है,एक ही ट्रैक्टर ट्राली के पीछे टकराने से दो अलग-अलग घटनाओं में यह मौत हुई है। इसमें पुलिस की भी लापरवाही सामने आई। घटना ज़िले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के कौआ सराई के पास शहडोल रीवा मार्ग की है। पुलिस ने बताया कि जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के कौआ सराई क्रेशर से ट्रैक्टर ट्राली में गिट्टी लोड वाहन गांव की ओर जा रहा था, तभी पीछे से आ रही

बाइक ट्रैक्टर ट्राली के पीछे जा घुसी , जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हुआ,और घटना के तुरंत बाद बाइक में आग लगा गई। घायल बाइक सवार को स्थानीय लोगों ने उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया जहां उसने दम तोड़ दिया। बाइक की ट्रैक्टर ट्राली से टक्कर होने के बाद बाइक में अचानक आग लग गई। स्थानीय लोगों ने बाईक सवार घायल युवक को अस्पताल भिजवाने के बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी, जानकारी लगने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दमकल कर्मियों को आग लगने की जानकारी दी, जब तक दमकल वाहन मौके पर पहुंचा तब तक आग ने बाइक को जलाकर राख कर दिया था। पुलिस ने मौके से ट्रैक्टर इंजन को जप्त किया, क्योंकि आग लगने की वजह से ट्रैक्टर ट्राली में लगा टायर भी चल चुका था, जो थाने लाने के कंडीशन में नहीं था।पुलिस ने ट्रैक्टर के इंजन को मौके से जप्त कर लिया, और ट्राली को मौके पर ही खड़ा रहने दिया,जिसकी वजह से बुधवार की सुबह फिर एक बाईक सवार युवक हादसे का शिकार हो गया और उसकी जान चली गई।एक ही ट्राली की टक्कर लगने से 10 घंटे के भीतर दो बाइक सवार युवकों की मौत हो गई, स्थानीय लोगों ने पुलिस पर सवालिया निशान खड़े किए हैं। बुधवार की सुबह तकरीबन 10 बजे जली हुई ट्रैक्टर ट्राली के पीछे टक्कर होने से बाइक सवार एक और युवक की मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि बाईक सवार युवक गोहपारू से ब्यौहारी की ओर जा रहा था। तभी शहडोल रीवा मुख्य मार्ग कौआ सराई के पास दुर्घटनाग्रस्त ट्रॉली सड़क पर खड़ी थी जिसके पीछे युवक की बाइक घुस गई और युवक राकेश सिंह पिता भैया लाल (34) निवासी चंदौल थाना गोहपारूकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है,घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने जयसिंहनगर पुलिस पर सवालिया निशान खड़े करते हुए कहा कि मंगलवार की रात जब सड़क हादसा हुआ था, तो पुलिस मौके पर पहुंची थी,और ट्रैक्टर की इंजन को मौके से जप्त किया था। और दुर्घटनाग्रस्त ट्राली को सड़क पर ही खड़ा रहने दिया, जिसकी वजह से बुधवार की सुबह फिर एक बाइक सवार युवक सड़क हादसे का शिकार हुआ और उसकी जान चली गई है। उप निरीक्षक जीवन सिंह टेकाम से जब संबंध में बात की गई तो उन्होंने कहा कि मंगलवार की रात एक सड़क हादसा हुआ था। बाइक में आग लग जाने से ट्रॉली भी क्षतिग्रस्त हुई थी, जिसकी वजह से इंजन को जप्त किया था, ट्रॉली के आसपास पत्थर लगाए गए थे,आज सुबह फिर हादसा हुआ है और बाइक सवार की जान चली गई। दो लोगों की मौत मामले में मर्ग कायम किया गया है।

क्या हम इंसान नहीं रह सकते : शिखा गोस्वामी

मुंगेली, छत्तीसगढ़। हम एक देश में रहते हैं—भारत में। यहाँ हर 100 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है, स्वाद बदल जाता है, पहनावा बदल जाता है। कहीं कोई गुजराती गरबा करता है, कहीं कोई पंजाबी भंगड़ा। कोई तमिल में बात करता है, कोई कश्मीरी लहजे में गुनगुनाता है। कोई गुरुद्वारे में अरदास करता है, कोई मस्जिद में सजदा करता है, कोई चर्च में प्रार्थना करता है, कोई मंदिर में दीप जलाता है। फिर भी हम सब एक हैं—एक देश के नागरिक। हम सब एक ही जमीन के वासी हैं। हम भारतीय हैं। हम खुद को भाई-भाई कहते हैं। पर क्या वाकई हम भाई हैं ? जब कोई त्यौहार आता है, तो वो किसी एक धर्म का नहीं होता, वो उस मोहल्ले की हर गली का त्यौहार बन जाता है—जहाँ गुलाल सबके चेहरे पर एक-सा उड़ता है, जहाँ दीपावली पर दीए हर आंगन में जलते हैं, जहाँ रोज़ा रखते वक्त हिन्दू पड़ोसी दरवाज़ा धीरे से बंद करता है कि ताकि सामने वाले उसके मुस्लिम पड़ोसी को कोई खलल न पड़े। जहाँ क्रिसमस के समय सभी के घर क्रिसमस ट्री बनता है। जहाँ गुरुपर्व पर सब लख लख बधाइयां देते हैं। यही तो है किसी

शिखा गोस्वामी निहारिका मारो, मुंगेली, छत्तीसगढ़

मोहल्ले में अलग अलग धर्मो के मानने वाले परिवारों की इंसानियत. । तो क्या ये इंसानियत हम राष्ट्र स्तर पर नही अपना सकते? फिर क्यों आखिर क्यों हम धर्म के नाम पर खून बहा देते हैं? फिर क्यों क्यों हर बार हम धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर बंट जाते हैं? हम कब इतने कठोर हो गए कि हमें एक मासूम की लाश पर भी सुकून मिलने लगा? हमें शांति नहीं चाहिए। हमें मोहब्बत नहीं चाहिए। हमें तो बस दुश्मनी चाहिए, नफ़रत चाहिए, मौत चाहिएज् और वो भी चाहे वो बेगुनाह ही क्यों न हो! हम भूल जाते हैं कि हमने ईश्वर को कभी देखा नहीं, पर एक भूखे को रोटी देकर, एक रोते को गले लगाकर, एक अनाथ को अपने घर बुलाकर, हम उसे महसूस जरूर कर सकते हैं। एक सिख भाई जब लंगर लगाता है, तो पूछता नहीं कि भूखा कौन है, वो बस खाना परोसता है। एक ईसाई बहन जब किसी अनाथ की सेवा करती है, तो धर्म नहीं देखती, बस इंसानियत को देखती है। एक मुस्लिम परिवार जब ईद पर सेवइयाँ बाँटता है, तो वो पड़ोसी का मज़हब नहीं पूछता। एक हिंदू माँ जब दुर्गा पूजा में सबका भला हो की प्रार्थना करती है, तो वो किसी एक धर्म की बात नहीं करती, वो पूरे संसार की मंगलकामना करती है। फिर क्योंज् क्यों जब कोई दंगा होता है तो हम यही लोग एक-दूसरे को मारने दौड़ पड़ते हैं क्या हमारे बच्चों की लाशें भी अब धर्म देखकर तौली जाएँगी? क्या अब इंसानियत से बड़ा कोई मंदिर, मस्जिद, चर्च या गुरुद्वारा हो गया है? नही कदापि नही! इंसानियत से बढ़कर कोई भी धर्म नही होता। हम भूल गए हैं कि हमारी असली पहचान ना हिन्दू है, ना मुस्लिम, ना सिख, ना ईसाईज् हमारी असली पहचान है इंसान होना। क्या इतना मुश्किल है कि हम एक साथ होली खेलें, ईद मनाएँ, क्रिसमस का केक काटें और गुरु पर्व की दीवटियाँ जलाएँ? क्या इतना नामुमकिन है कि हम एक-दूसरे की भाषा समझें, भले बोल न सकें? क्या इतना मुश्किल है एक साथ बैठकर हँसना, एक-दूसरे की पीड़ा में आँसू बहाना, एक ही छत के नीचे सभी त्यौहार मनाना? क्या ये इतना असंभव है कि हम बिना धर्म पूछे एक-दूसरे से प्यार करें? क्या इतना कठिन है कि हम किसी के दु:ख को अपना समझें, भले उसका धर्म हमारा न हो?

सोचिए- अगर एक दिन हम सब मिलकर एक साथ, बिना भेदभाव के एक ही थाली में खा लें, एक ही त्योहार में झूम लें, एक ही दर्द में रो लें तो क्या ये धरती फिर से स्वर्ग नहीं बन जाएगी? सोचिए क्या हम फिर से सिर्फ इंसान नहीं बन सकते?

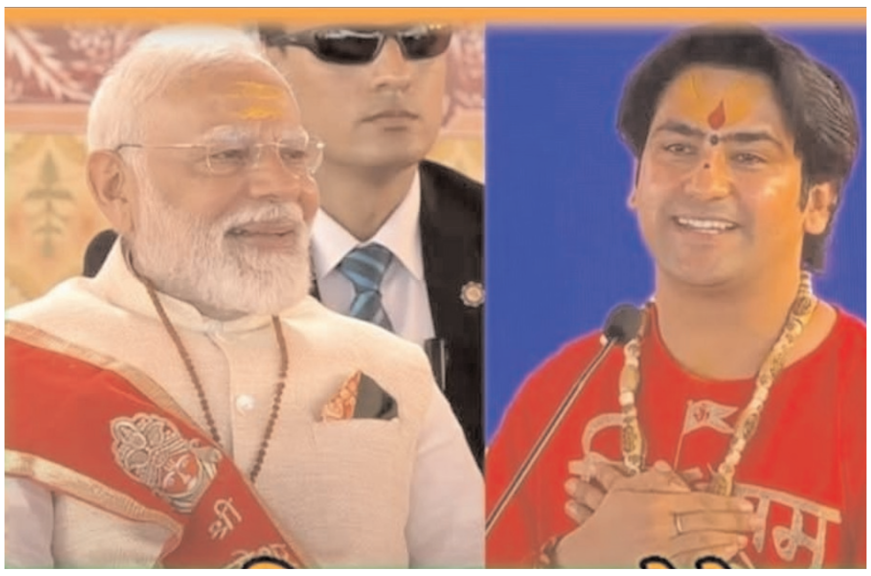

एक जन मन के बात सुनाथे ,
एक जन चिट्ठी मा भविस्य बताथे।
आतंकी हमला काबर नइ जानेव,
सवाल करो तब दांत देखाथे।।
नदी के पानी रोके हस तब,
बाढ़ पाक मा आइस काबर,
खुद ला चौकीदार तैं कहिथस,
डाकू मन हा भगाइस काबर।।

लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ०ग०)

प्रदेश के सभी संभागों में होंगे किसान मेले : कृषि मंत्री श्री कंषाना

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी संभागों में किसान मेला आयोजित करेगी। उज्जैन संभाग में 3 मई को मंदसौर में पहला किसान मेला आयोजित किया जाएगा। मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य के सभी संभागों में किसान मेलों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इन मेलों में किसानों को कृषि, खाद्य प्र-संस्करण, उद्यानिकी और पशुपालन से संबंधित नवीनतम जानकारी दी जायेगी। साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी के साथ किसानों की समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा।

अवैध कॉलोनियों पर बड़ी कार्रवाई

भोपाल। कलेक्टर भोपाल श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देश पर अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को जिला प्रशासन, राजस्व विभाग, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम बिशनखेड़ी में व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में जेसीबी से करीब 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की शासकीय भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को हटाया गया। यह भूमि ग्राम बिशनखेड़ी, पटवारी हल्का नंबर-10 में स्थित है, इसमें खसरा क्रमांक 14/2 रकबा 1.00 हेक्टेयर और खसरा क्रमांक 15/2 रकबा 0.652 हेक्टेयर पर शुभम साहू पुत्र जमना प्रसाद एवं नजमा पत्नी हसीन खां द्वारा कब्जा किया गया था।

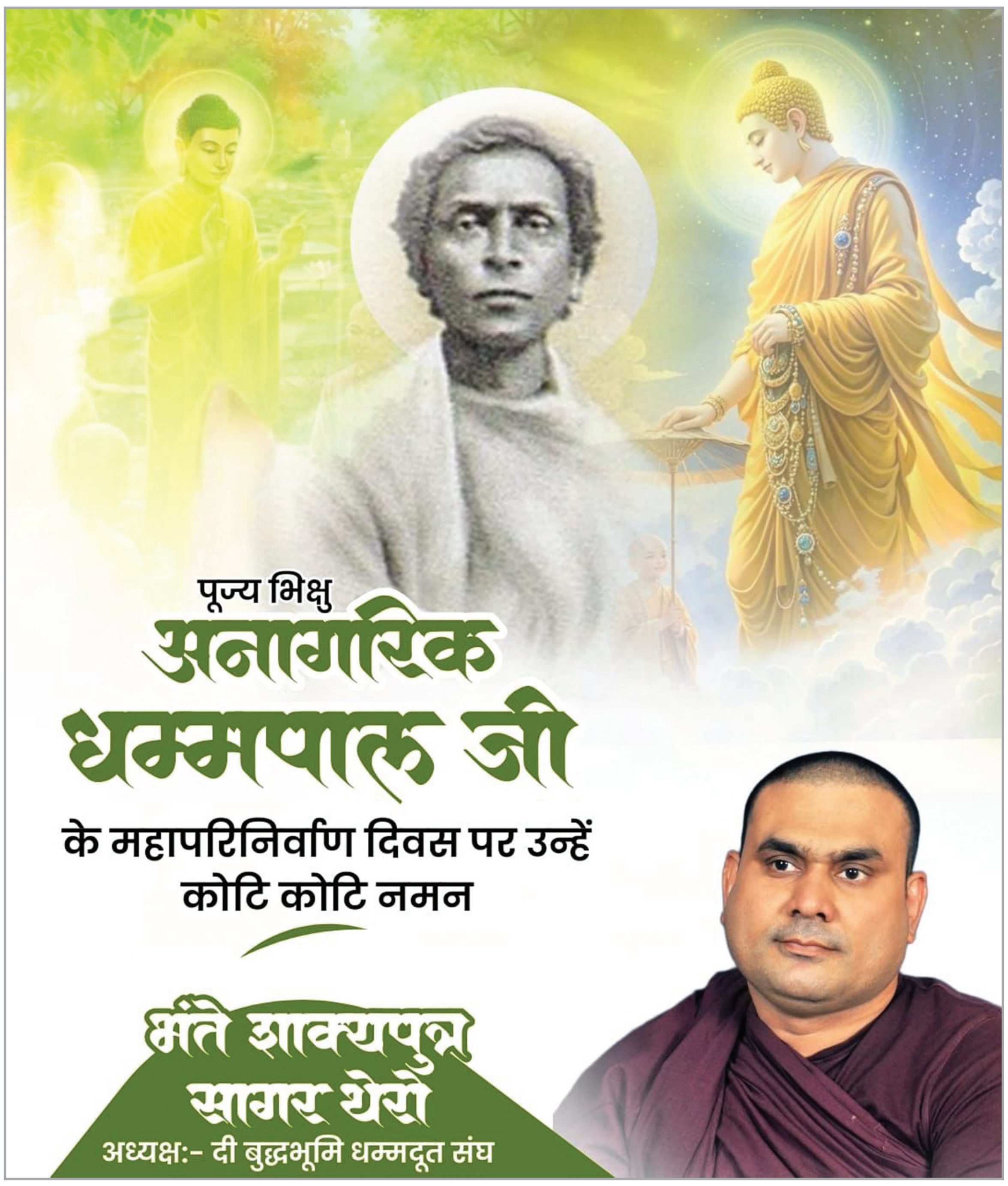

अहिरवार समाज संघ ने युवाओं को किया आगे, कैलाश कुमार अहिरवार बने शहडोल संभाग के युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष।

राजू राय - संवादाता शहडोल

अनूपपुर/डोला। अहिरवार समाज संघ पूरे मध्यप्रदेश में कई सालों से सामाजिक कार्यों में निरंतर सेवाएं दे रहा है. संघ ने प्रदेश में हो रहे समाजिक भेदभाव का विरोध कर इन्हें समाप्त करने की बात भी समाजिक सेवकों के बीच रखता रहा है. अहिरवार समाज संघ इसी परिवर्तन के पहल को मजबूत करने के लिए अब युवाओं को भी अपनी विचारधारा से जोड़ रहा है. कैलाश कुमार भी इसी पहल की कड़ी है कैलाश कुमार के बारे में आपको बता दें कि वह लंबे समय से जिले के

सामाजिक/राजनीतिक क्षेत्र में हो रहे सभी गतिविधियों में शामिल भी रहे हैं. साथ ही उन्होंने सामाजिक परिवर्तन के लिए हर तरह से प्रयास भी करते भी रहते हैं. कैलाश कुमार का कहना है कि जब तक युवा वर्ग समाजिक परिवर्तन के लिए आगे नही आएगा. तब तक समाजिक परिवर्तन की रफ्तार धीमी रहेगी. युवा वर्ग को सामाजिक/राजनीतिक न्याय व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास भी करते रहना पड़ेगा. कैलाश कुमार ने अपने जीवन का ज्यादा से ज्यादा समय समाज को दिया है. उनका ये भी कहना है कि अहिरवार समाज संघ के संस्थापक चौधरी अमन सिंह नरवरिया जी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश अहिरवार जी के द्वारा अहिरवार समाज संघ ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है, मैं उसे ईमानदारी और पूरी निष्ठा से निभाने की पूरी कोशिश करूंगा ।

शहडोल संभाग में अहिरवार समाज के लोगों को सामाजिक राजनीतिक चेतना के द्वारा जागरूक करता रहूंगा एवं कुरीतियों के खिलाफ जो संघ का नियम है उसका पालन करूंगा एवं समाज में उसकी महत्वता का प्रचार प्रसार करूंगा।

मंत्री श्री सारंग ने किया 'ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2025' का शुभारंभ

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरूवार को तात्या टोपे स्टेडियम से खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रदेशव्यापी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री श्री सारंग ने कहा कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर ड्ड 2025 मध्यप्रदेश के युवाओं के शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है। यह शिविर केवल खेल सिखाने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को एक सजग, अनुशासित और सक्षम नागरिक के रूप में तैयार करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि इस नवाचार के अंतर्गत प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, खेल अकादमियों से जुड़ाव और प्रतियोगिताओं में भागीदारी के अवसर मिलेंगे।

शिविर के नये प्रारूप से खिलाड़ियों को मिलेगा अवसर

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष स्कूली विद्यार्थियों के लिए आयोजित किए जाने वाले पारंपरिक ग्रीष्मकालीन खेल शिविर को इस वर्ष एक नवीन रूप प्रदान किया गया है। मध्यप्रदेश में पहली बार ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर - 2025 को नए तरीके से प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य केवल खेलों से जुड़ाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा मंच बनेगा जहाँ से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भविष्य के उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में तराशा जाएगा।

उत्कृष्ट खिलाड़ी निर्माण की त्रि-स्तरीय योजना

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि त्रि-स्तरीय योजना के तहत हम उत्कृष्ट खिलाड़ी निर्माण करेंगे। इसमें प्रथम चरण में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को चयनित किया जायेगा। द्वितीय चरण में चयनित खिलाड़ियों को विभाग की 'प्रतिभा खोज' और 'खेलो बढ़ो अभियान' जैसे योजनाओं से जोड़ा जाएगा। तृतीय चरण में शीर्ष खिलाड़ियों को खेल अकादमियों और 'खेलो एमपी' सहित विभाग की प्रमुख प्रतियोगिताओं में सम्मिलित कर भविष्य के चैंपियन तैयार किए जाएंगे।

शिविर में खेलों के साथ शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास पर फोकस:

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि गर्मियों की छुट्टियों में बच्चें खेल के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व और बौद्धिक विकास पर भी कार्य करेंगे। विद्यार्थियों को व्हॉलीबाल, जिम्नास्टिक, जूडो, ताईक्वांडों, बॉक्सिंग, कबड्डी, तलवारबाजी, कराते, मल्लखम्ब, टेबिल टेनिस, स्केटिंग, कुश्ती, लॉन टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, बॉस्केटबॉल, एरोबिक, स्कवैश, एथलेटिक्स, शूटिंग (रायफल/पिस्टल) का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन खेलों के साथ ही विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिये आध्यात्म, योग सहित विभिन्न गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है।

शिविर के लिये ऑनलाइन होंगे रजिस्ट्रेशन: मंत्री श्री सारंग ने बताया कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों में 30 जून तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भाग लेने के लिये विद्यार्थी 18 मई तक MYMP पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे।

उन्नत कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए 3 मई को मंदसौर में होगा किसान मेले का आयोजन

कृषि उद्योग समागम : प्रदेश में कृषि नवाचार और उद्यमिता का अभिनव संगम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कृषि नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिये 3 मई 2025 को मंदसौर में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कृषक सम्मेलन एवं कृषि उद्योग समागम-2025 का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, जन-प्रतिनिधि, कृषक, उद्यमी, निर्यातक एवं एफपीओ प्रतिनिधि बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आयोजन में खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने के लिये इच्छुक निवेशकों के साथ संवाद भी करेंगे, जिससे नये निवेशक मंदसौर जिले में निवेश के लिये आकर्षित होंगे और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। मंदसौर जिला औषधीय और मसाला खेती में अग्रणी है। मेले के आयोजन से मंदसौर जिले में औषधीय फसलों को और अधिक बढ़ावा मिल सकेगा।उन्नत कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए 3 मई को मंदसौर जिले के सीतामऊ में किसान मेला एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो का आयोजन किया जायेगा। किसान मेले में किसानों को उन्नत तकनीकों, बीज, आधुनिक कृषि उपकरणों, शासन की योजनाओं एवं कृषि प्रबंधन की विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

कार्यक्रम में आधुनिक कृषि यंत्रों, नवीनतम बीजों, संरक्षित खेती, प्राकृतिक कृषि, मत्स्य पालन, खाद्य प्र-संस्करण एवं जैविक उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही कृषि आधारित उद्योगों, एफपीओ, निर्यातकों हेतु संगोष्ठी एवं नेटवर्किंग सत्र आयोजित होंगे।

कृषक सम्मलेन एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो में किसानों से जुड़े विविध तरह के राज्य स्तरीय स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉल्स के माध्यम से कृषकों को उन्नत तकनीकी, खेती-किसानी की जानकारी और नवाचारों के संबंध में बताया जाएगा। कृषि अभियांत्रिकी, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, एम.पी. एग्रो, एमएसएमई, मत्स्य, पशुपालन, नवकरणीय ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग द्वारा कृषि यंत्र, ड्रोन एवं उपकरण, कृषि आदान व्यवस्था नवीन प्रजातियों के बीज उवर्रक, पेस्टीसाइड आदि, बैंकर्स एवं फसल बीमा, सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र, संरक्षित खेती, वर्मी बेड, मल्चिंग, पौंड प्लास्टिक लाइन (पोली/शेडनेट हाउस आदि), खाद्य प्र-संस्करण, ओडीओपी, रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आर.ए.एस), केज कल्चर, बायोफ्लॉक एवं मत्स्य महासंघ का डिस्प्ले, चलित पशु चिकित्सा इकाई, आदर्श गौशाला, सार्टेड सेक्सड सीमन, एंब्रियो ट्रांसफर तकनीक, सांची मिल्क पार्लर एवं मिल्क क्वालिटी टेस्टिंग, एग्री फोटो वॉल्टाइक एग्री स्टेक के स्टॉल लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समागम में आये अतिथि निवेशकों के साथ संवाद करेंगे और राज्य सरकार की योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण करेंगे।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)